प्रेषक,

कुँवर सिंह, अपर सचिव उत्तरांचल शासन ।

सेवा में.

मुख्य महाप्रबन्धक उत्तरांचल जल संस्थान, देहरादून

पेयजल अनुभाग-

देहरादूनः दिनांकः २१ मार्च, 2005

विषय:-वित्तीय वर्ष 2004-05 में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्वार / पुनर्गटन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति । महोदय.

उपर्युक्त विषयक आपके कार्यालय पत्रांक 4341, दिनांक 22.03.2005 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2004—05 में ग्रामीण पेयजल योजनाओं के जीर्णोद्वार/पुर्नगठन/एवं सुदृढीकरण हेतु निम्नव्त जनपदवार विवरणानुसार रू० 966.57 लाख (रू० नौ करोड़ छियासठ लाख सत्तावन हजार मात्र) की धनराशि को सलग्न बी०एम—15 के विवरणानुसार बचतों से पुर्नविनियोग द्वारा व्यवर्तन कर व्यय हेतु आपके निर्वतन पर रखे जाने की राहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :—

(धनराशि रू० लाख में)

क0 सं0	जनपद का नाम	अनु० घनराशि	अवमुक्त की जा रही घनराशि
1	देहरादून	124.00	124,00
2	पोडी	39.05	39.05
3	चमोली	116.75	116,75
4	रुदप्रयाग	65.00	65.00
5	टिहरी	71.65	71,65
6	उत्तरकाशी	55.50	55,50
8	नैनीताल	66.70	66,70
9	उधमसिंह नगर '	32,00	32.00
10	अल्गेडा	194.50	194,50
11	पिथौरागढ	151.67	151.67
12	यागेश्वर	44.00	44.00
13	चम्पावत	05.75	05.75
	योग:	966.57	966.57

fr-

Xist

2— रवीकृत धनराशि मुख्य महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जलसंस्थान के हस्ताक्षर तथा जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर युक्त बिल देहरादून कोषागार में प्रस्तुत कर आहरित की जायेगी ।

3- स्वीकृत धनराशि का व्यय उन्ही कार्यो पर किया जायेगा जिनके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है । स्वीकृत धनराशि ऐसे कार्यो पर कदापि व्यय न की जाय जिनके सम्बन्ध में तकनीकी स्वीकृति नहीं है अथवा जो विवाद ग्रस्त हों । दैवीय आपदा से क्षतिग्रस्त योजनाओं के पुनर्स्थापना/पुनर्गठन हेतु वित्त पोषण यदि देवीय आपदा से हो गया हो तो क्षतिग्रस्त योजनाओं में प्राविधानित धनराशि का उपयोग

अन्य योजनाओं के सुदृढ़ीकरण पर शासन की अनुमित से किया जायेगा।

4— व्यय करने से पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल फाईनेन्शियल हैण्डबुक अथवा अन्य स्थायी आदेशों के अंतर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की रवीकृति की आवश्यकता हो, उसमें व्यय करने से पूर्व ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय। निर्माण कार्यो पर व्यय करने से पूर्व आगणनों एव विस्तृत आगणनों पर प्रशासकीय/वित्तीय स्वीकृति के साथ—साथ सक्षम प्राधिकारी की प्राविधिक स्वीकृति भी अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

 निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर विशेष बल दिया जाय गुणवत्ता से सम्बन्धित सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता का ही होगा ।

6- प्रस्तावित कार्यो को यथासम्भव ग्रीष्मऋतु से पूर्व सम्पन्न कराना सुनिश्चित करते हुए कार्यो की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति के मासिक/त्रैमासिक विवरण नियमित रूप से शासन को उपलब्ध कराया जाय। ग्रीष्मकाल के समाप्त होने पर कार्यवार व्यय विवरण व कार्य की भैतिक प्रगति का विवरण शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

8— यह सुनिश्चित कर लिया जाए कि जनपदवार उन्हीं योजनाओं पर धनराशि व्यय की जाए जिनके लिए स्वीकृति दी जा रही है। एक योजना की धनराशि दूसरी योजना पर कदापि व्यय नहीं की जायेगी यदि ऐसा पाया जाता है तो सम्बन्धित अधिशासी अभियन्ता/विभागाध्यक्षत का उत्तरदायित्व निर्धारित किया जायेगा।

10— उपर्युक्त व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2004—05 में अनुदान सं0—13 के अंतर्गत लेखाशीर्षक "2215— जलापूर्ति तथा सफाई—01 — जलपूर्ति— आयोजनागत — 102 — ग्रामीण जलपूर्ति कार्यकम —91—जिलायोजना —02— ग्रामीण पेयजल तथा जलोत्सारण योजनाओं का जीर्णोद्धार —20—सहायक अनुदान/अंशदान/राजसहायता के नामे" डाला जायेगा

11— यह आदेश वित्त विभाग की अशासकीय सं 1176/वि०अनु०-3/2005 दिनांक— 29 मार्च, 2005 में प्राप्त उनकी सहमित से जारी किये जा रहे है।

भवदीय, <u>१,०,७</u> (कुँवर सिंह) , अपर सचिव

संख्या-769/(1)/उन्नीस/04-2-(20पे0)/2004 तद्दिनांक

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेत् प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल,देहरादून।
- 2- मण्डलायुक्त गढ़वाल/कुमायूँ पीड़ी/नैनीताल।
- 3- जिलाधिकारी, देहरादून/सगरत जनपदै ।
- 4- महाप्रबन्धक, उत्तरांचल जल संस्थान, /पौडी/नैनीताल ।
- 5- कोषाधिकारी, देहरादून।।
- 6- अध्यक्ष, उत्तरांचल जल संस्थान ,देहरादून ।
- 7— प्रबन्ध निदेशक, उत्तरांचल पेयजल निगम, देहरादून ।
- 8- वित्त अनुभाग-3/नियोजन प्रकोष्ठ, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 9- निजी सचिव/मा० मुख्यमंत्री/मा० पेयजल मंत्री, उत्तरांचल ।
- 10- निदेशक, सूचना एवं लोक सम्पर्क निदेशालय, देहरादून।
- 11- निदेशक, एन0आई०सी०, उत्तरांचल सचिवालय परिसर, देहरादून ।

आज्ञा से १४०८ (कुँवर सिंह) अपर सचिव

SHIPPIDE

2245-जन्मी तथा सबा ०७- स्वयत्तवारः कार्यक्रमा (९०% केटल) 102-स्ताम जलपूर्व कावकर 20-पहांच्या अनुहान/अहदीन / राजचहांबता ०-जल्बी-अधाजनगढ া-কর্ম সাধ্রনাশার/কর চার THE PROPERTY ा विनाग - पंपजाल विनाग, जत्ताराजल शासन । मायान तथा समारायक जनते - मुख्य ग्रहाप्रकटक, उत्तरायत जल सस्थान, देहरायून। अध्यानीक क्रिसी मान्या सहसार अनुपानित व्यव अवशय अवधि मितरिय वर्ष क अवश्रम(सम्बन्धः) सञ्जाहीर्षक दिशा प्रन्यक्षि स्टमान्यस्ति क्रिया जान हे 20- নাগমক अনুবান/সহাবান/ 2215- जलभूति तथा सकार् 102- ग्रामीण जलपूर्व जायकम 91- জিলা যাজনা ०१- जलपूर्ति-आधानतास 02-वासीम पर्यजल तथा जलल्लासम योजनात्रा का जीनाहिए पुनावानयाम क जुल धनराशि बाद सामा-5 की 0 बाट सामा-4 म अन्याप नाहा प्रतिविद्यात क (छ) बास्तविक आवश्यजना क क) भारत सरकार से तनराज्ञ अवश्य धनस्त्रि । पुनीवीन्त्रमात्र क बाद स्थान-- न म प्रतिधान में बन्त हुई। रहीये अवसुबत होने व कारण 57.75 धनाति (रु० हत्तर में)

वमाणित किया जाता है कि पुनीविनेद्यांग से दलह क्युअल के परिच्छंद 150,151,155,156 में उत्लिखित सीमाओं का उत्लब्धन नहीं, हस्या है, प्रेक्टरी

137875

137875

ı

1

137675

96657 BECET(31)

342379

61216

342379

91219

137875(年)

संख्याः - 1176(क)विता अनु0-3/2005 देहरादुनः दिनांक 29 मार्च 2005 पुनर्विनियोजन स्टीकृत

ित्त अनुमाग-३ उत्तरायल शासन

अगर सधिव

(कुंबर सिंह)

अपर सचिव विस (केंग्सीविष्ण)

चान्या 769(2)/जनीम/05-2-(2010)/2004, तद दिनांस

संदा म

उत्तारायल, देहराडून नहात्याकार

प्रतितिपि निर्मातिक्वतः को सूचनार्थ एव आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः --१-कोषाधिकारी / जिलाधिकारी, देहरादून । २ विक्त अनुमाग-३, उत्तरायंत शासन।

(कुंबर शिह) अपर सचिव 多

P